प्रतिदर्श प्रश्न पत्र - 3
कक्षा – दसवीं (2023-24)
हिंदी -अ (कोड 002)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 44 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

शिक्षा किसी भी समाज की विकास प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है, इसलिए मानव समाज में इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। शिक्षा से तात्पर्य है- शक्ति को ग्रहण कर मनुष्य द्वारा सही अर्थ में अपनी क्षमताओं का उपयोग करना सीखना, अज्ञान के अंधकार से निकलकर ज्ञान के प्रकाश की ओर बढ़ना। शिक्षा द्वारा ही ज्ञान और अज्ञान के मध्य अंतर को समझकर मनुष्य सही दिशा की ओर बढ़ता है तथा सम्यक् ज्ञान के प्रकाश में जीवन का सर्वांगीण विकास कर पाता है, परंतु जब समुचित विकास का मार्ग अवरुद्ध होता प्रतीत होता है, तब ऐसा समझा जाना तर्कपूर्ण है कि प्रचलित शिक्षा प्रणाली दोषपूर्ण है।

ऐसी स्थिति में शिक्षा नीति में सुधार करना अनिवार्य हो जाता है। पाश्चात्य शिक्षा पद्धति का अनुकरण करने के कारण हम अपनी शिक्षा और संस्कृति को भूल रहे हैं और नैतिकता के पतन की ओर अग्रसर हैं। प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता यह मानी जाती है कि वह नीतियों से परिपूर्ण थी।

नीति अर्थात् सही दिशा-निर्देश, ये मनुष्य के ऊपर उठने का व आगे बढ़ने का सबसे बड़ा माध्यम होते हैं। शिक्षा मनुष्य का सम्यक् उत्थान करती है। नीति भी मूल रूप से शिष्ट आचरण का ही दिशा-निर्देश करती है। इस प्रकार शिक्षा और नीति का मुख्य उद्देश्य एक ही है।

(i) शिक्षा को समाज के विकास की प्रक्रिया का अभिन्न अंग माना जाता है क्योंकि -

i. शिक्षा से व्यक्ति शक्ति को ग्रहण कर सही अर्थ में अपनी क्षमताओं का उपयोग करना सीखता है
ii. शिक्षा व्यक्ति को अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाती है
iii. शिक्षा के द्वारा ही व्यक्ति ज्ञान और अज्ञान के अंतर को समझने में सक्षम होता है

iv. शिक्षा नीति में व्यक्ति सुधार कर पाता है

क) कथन iii व iv सही हैं
ख) कथन ii व iv सही हैं
ग) कथन i व ii सही हैं
घ) कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) शिक्षा मनुष्य को किस ओर ले जाती है?

क) ज्ञान से क्षमताओं की ओर
ख) अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर
ग) ज्ञान से अज्ञान की ओर
घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) गद्यांश के आधार पर बताइए कि पाश्चात्य शिक्षा पद्धति ने मनुष्य में किसे बढ़ावा दिया है?

क) अनुकरण की आदत को
ख) पतन को
ग) नीतियों को
घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति की विशेषता क्या है?

क) अज्ञान की ओर ले जाने वाली
ख) इनमें से कोई नहीं
ग) नीतियों से परिपूर्ण
घ) अनुकरणीय

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-
कथन (A): समुचित विकास का मार्ग अवरुद्ध होने पर प्रचलित शिक्षा प्रणाली को सुधारना आवश्यक हो जाता है।
कारण (R): प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति नीतियों और सद्गुणों से भरपूर थी।

क) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।
ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जैसे नदी में
सिर्फ पानी नहीं बहता
फूल-पत्ते, लकड़ी, नावें,
दीप और मुर्दे तक बहते हैं;
इसी तरह मन में
सिर्फ़ विचार नहीं रहते

सुगंध और प्रकाश
विश्वास और उदासी
सब रहते हैं एक साथ
वहाँ बहाव का आधार पानी है
यहाँ प्राण और वाणी है।
पानी कहीं थम न जाए
धारा सूखने न पाए
वाणी चूकने न पाए
तो सब ठिकाने लग जाते हैं फूल-पत्ते, लकड़ी
नावें, दीप और शरीर
सुगंध और प्रकाश
विश्वास और इच्छाएँ अधीर।
-- अज्ञेय

(i) मन में एक साथ रहने वाली वस्तुएँ हैं -

i. विचारों के साथ - साथ सुगंध
ii. मन का विश्वास
iii. ज्ञान का प्रकाश
iv. अज्ञानता का अंधकार

क) कथन i, ii व iii सही हैं
ख) कथन ii व iii सही हैं
ग) कथन i, ii व iv सही हैं
घ) कथन i व ii सही हैं

(ii) मन के संदर्भ में **सुगंध और प्रकाश** से कवि का तात्पर्य है

क) बदहवासी से भरे विचार
ख) हँसी-मज़ाक से भरे भाव
ग) अच्छे एवं सकारात्मक विचार
घ) संघर्षशील विचार

(iii) मन के संदर्भ में **ठिकाने लग जाना** का तात्पर्य है

क) मन के विच्चार ठिकाने लग जाने पर दूसरे कामों की याद आती है।
ख) मन के विचार सही हो जाने का परिणाम सुखकारी होता है।
ग) मन के विचार ठिकाने लग जाने पर मन परेशान हो उठता है।
घ) मन के विचार ठिकाने लग जाने पर अच्छी नींद आती है।

(iv) फूल - पत्ते में समास है -

क) बहुव्रीहि समास
ख) तत्पुरुष समास

ग) इनमें से कोई नहीं

घ) द्वंद्व समास

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): नदी की धारा रूकती नहीं है, वह अनवरत और अविरल रूप से बहती रहती है।
कथन (R): मानव मन में विचारों का प्रवाह अनवरत और अविरल बहता रहता है।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ख) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

3. **निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) **बाहर बेढब-सा एक मिट्टी का बरतन था।** - इस वाक्य का मिश्र वाक्य होगा: **[1]**

क) बाहर मिट्टी का एक बेढब-सा बरतन था।

ख) बाहर एक बेढब-सा बरतन था और वह मिट्टी का था।

ग) बाहर जो बेढब-सा बरतन था वह मिट्टी का था।

घ) बाहर मिट्टी का बरतन था और वह बेढब-सा था।

(ii) **मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था, जैसा बच्चे बना लेते हैं** वाक्य में आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद लिखिए। **[1]**

क) जैसा बच्चे बना लेते हैं, क्रिया-विशेषण उपवाक्य

ख) जैसा बच्चे बना लेते हैं, संज्ञा उपवाक्य

ग) जैसा बच्चे बना लेते हैं, विशेषण उपवाक्य

घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) रचना की दृष्टि से निम्नलिखित वाक्य किस प्रकार का है -' जिनकी आय अधिक है, उन्हें दूसरों की सहायता करनी चाहिए।' **[1]**

क) सरल वाक्य

ख) प्रधान उपवाक्य

ग) संयुक्त वाक्य

घ) मिश्र वाक्य

(iv) **मोहनदास, गोकुलदास सामान निकालकर बाहर रखते जाते थे।** संयुक्त वाक्य में बदलिए- **[1]**

क) मोहनदास, गोकुलदास सामान निकालते थे और बाहर रखते जाते

ख) मोहनदास, गोकुलदास जो सामान निकालते थे वे बाहर रखते जाते

थे। | थे।

ग) सभी विकल्प सही हैं। | घ) मोहनदास, गोकुलदास सामान बाहर रखते जाते थे और निकालते थे।

(v) **जब डॉक्टर साहब की ज़मानत जब्त हुई तब घर में ज़रा सन्नाटा हुआ।** इस वाक्य का रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए। **[1]**

क) सरल वाक्य

ख) संयुक्त वाक्य

ग) मिश्र वाक्य

घ) विधानवाचक वाक्य

4. **निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) धर्मगुरु ने कामिल बुल्के की बात मान ली। कर्मवाच्य में बदलिए। **[1]**

क) धर्मगुरु द्वारा कामिल बुल्के की बात मान ली गई।

ख) धर्मगुरु कामिल बुल्के की बात मानते हैं।

ग) धर्मगुरु से कामिल बुल्के की बात मानी जाएगी।

घ) धर्मगुरु ने बात मान ली कामिल बुल्के की।

(ii) कानूनी या कार्यालयी भाषा में सामान्यतः कौन-सा वाच्य प्रयुक्त होता है? **[1]**

क) भाववाच्य

ख) कर्तृवाच्य

ग) कर्मवाच्य

घ) अकर्तृवाच्य

(iii) निम्न वाक्यों में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँटिए- **[1]**

i. रमीज ने एक किताब लिखी।
ii. माली द्वारा पौधों को पानी दिया गया।
iii. राहुल बाग में ही सोता है।
iv. अब आराम किया जाए।

क) विकल्प (ii)

ख) विकल्प (i)

ग) विकल्प (iii)

घ) विकल्प (iv)

(iv) इस वाक्य का वाच्य लिखिए- पुस्तक अभी पढ़ी जा रही है **[1]**

क) कर्मवाच्य

ख) संबंधवाच्य

ग) कर्तृवाच्य | घ) भाववाच्य

(v) भाव वाच्य में क्रिया सदैव रहती है- **[1]**

क) मध्यम पुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन | ख) अन्य पुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन

ग) अन्य पुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन | घ) अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन

5. **निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) **सुरेश** यदि मैं बीमार हो जाऊँ तो घर की व्यवस्था रुक जाएगी। रेखांकित पद का परिचय है- **[1]**

क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, संबोधन कारक।

ख) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

ग) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, संबोधन कारक।

घ) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

(ii) वह पुरुष विश्वास के **योग्य** है। वाक्य में रेखांकित पद का पद-परिचय बताइए। **[1]**

क) सार्वनामिक विशेषण, उत्तरावस्था, एकवचन, लिंग, इसका विशेष्य 'पुरुष' है।

ख) गुणवाचक विशेषण, मूलावस्था, एकवचन, लिंग, इसका विशेष्य 'पुरुष' है।

ग) इनमें से कोई नहीं

घ) परिमाणवाचक विशेषण, मूलावस्था, एकवचन, लिंग, इसका विशेष्य 'पुरुष' है।

(iii) **वे खाना खा रहे हैं** वाक्य में **वे** का पद परिचय बताइए। **[1]**

क) अनिश्चयवाचक सर्वनाम बहुवचन | ख) निश्चयवाचक सर्वनाम एकवचन

ग) निश्चयवाचक सर्वनाम. बहुवचन | घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम एकवचन

(iv) **वह खिड़की से ऊपर की ओर देख रही थी।** - रेखांकित अंश का पद-परिचय होगा: **[1]**

क) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया - देखना

ख) कालवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया - देखना

ग) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया - खिड़की

घ) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया - देखना

(v) आजकल **हमारा** देश प्रगति के मार्ग पर बढ़ रहा है। रेखांकित पद का परिचय है:- **[1]**

क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

ख) विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, पुल्लिंग,'देश' विशेष्य।

ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यमपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

घ) विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, 'देश' विशेष्य।

6. **निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) **उठ रहा धुआँ, जल गया ताल।**
धँस गए धरा में, समय शाल। - प्रस्तुत पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है: **[1]**

क) मानवीकरण अलंकार

ख) उत्प्रेक्षा अलंकार

ग) अतिशयोक्ति अलंकार

घ) श्लेष अलंकार

(ii) **कलियाँ दरवाज़े खोल खोल जब झुरमुट में मुस्काती हैं।** इस में कौन-सा अलंकार है? **[1]**

क) अनुप्रास अलंकार

ख) रूपक अलंकार

ग) उपमा अलंकार

घ) मानवीकरण अलंकार

(iii) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए- **[1]**
मंगन को देखि पट देत बार-बार है।

क) अतिशयोक्ति अलंकार

ख) श्लेष अलंकार

ग) अनुप्रास अलंकार

घ) यमक अलंकार

(iv) **सो जनु हमरेहि माथें काढ़ा। दिन चलि गए ब्याज बड़ बाढ़ा।** **[1]**
इस चौपाई में प्रयुक्त अलंकार है-

क) श्लेष

ख) मानवीकरण

ग) अतिशयोक्ति

घ) उत्प्रेक्षा

(v) **तारा सो तरनि धूरि धारा मैं लगत जिमि,** **[1]**
थारा पर पारा पारावार यो हलत है।
पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) अतिश्योक्ति अलंकार

ख) रूपक अलंकार

ग) यमक अलंकार

घ) अनुप्रास अलंकार

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हालदार साहब को यह सब कुछ बड़ा विचित्र और कौतुक भरा लग रहा था। इन्हीं ख्यालों में खोए-खोए पान के पैसे चुकाकर, चश्मेवाले की देशभक्ति के समक्ष नतमस्तक होते हुए वह जीप की तरफ चले, फिर रुके, पीछे मुड़े और पानवाले के पास जाकर पूछा, क्या कैप्टन चश्मेवाला नेताजी का साथी है? या आज़ाद हिन्द फौज का भूतपूर्व सिपाही? पानवाला नया पान खा रहा था। पान पकड़े अपने हाथ को मुँह से डेढ़ इंच दूर रोककर उसने हालदार साहब को ध्यान से देखा, फिर अपनी लाल-काली बत्तीसी दिखाई और मुस्कराकर बोला-नहीं साब! वो लँगड़ा क्या जाएगा फौज़ में। पागल है पागल! वो देखो, वो आ रहा है। आप उसी से बात कर लो। फोटो-वोटो छपवा दो उसका कहीं।

(i) हालदार साहब को विचित्र और कौतुक भरा लग रहा था-

क) पानवाले का व्यवहार

ख) नेताजी के प्रति सम्मान-भाव न होना

ग) मूर्ति के बारे में पता चलने वाली नई-नई बातें

घ) कैप्टन का नेताजी की मूर्ति को चश्मा पहनाना

(ii) **देशभक्ति** में प्रयुक्त समास का नाम है-

क) द्वन्द्व समास

ख) कर्मधारय समास

ग) अव्ययी भाव समास

घ) तत्पुरुष समास

(iii) हालदार साहब ने किसको **नेताजी का साथी** और **आजाद हिन्द फौज का सिपाही** समझा?

क) इनमें से कोई नहीं

ख) पानवाले को

ग) मास्टर मोती लाल को

घ) कैप्टन चश्मेवाले को

(iv) **कैप्टन** के बारे में हालदार साहब की जिज्ञासा का कारण था-

क) वह कैप्टन नाम से भ्रमित होकर उसे आज़ाद हिन्द फौज का सिपाही समझ रहे थे।

ख) कैप्टन का नेताजी को बदल-बदलकर चश्मा पहनाना उन्हें विचित्र लग रहा था।

ग) वह कैप्टन के बारे में पूरी बातें जानना चाहते थे।

घ) उनको कैप्टन के बारे में पूरी बातें पता चल रही थीं।

(v) **लाल-काली बत्तीसी दिखाने** से पान वाले के बारे में पता चलता है कि-

क) वह मुँहफट व्यक्ति था।

ख) वह नेताजी का भक्त था।

ग) वह हालदार साहब के प्रश्नों के उत्तर गम्भीरता से नहीं दे रहा था।
घ) वह हर समय पान खाता रहता था।

8. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** **[2]**

(i) **एक कहानी यह भी** पाठ के अनुसार लेखिका के पिता उसे किससे दूर रखना चाहते थे? **[1]**

क) खेल-कूद से
ख) रसोई से
ग) आंदोलन से
घ) पढ़ाई से

(ii) **लखनवी अंदाज़** पाठ में वार्तालाप की शुरुआत किसने की? **[1]**

क) नवाब साहब ने
ख) दुकानदार ने
ग) इनमें से कोई नहीं
घ) लेखक ने

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा। बार बार मोहि लागि बोलावा।
सुनत लखन के बचन कठोरा। परसु सुधारि धरेउ कर घोरा।।
अब जनि देइ दोसु मोहि लोगू। कटुबादी बालकु बधजोगू।
बाल बिलोकि बहुत में बाँचा। अब येहु मरनिहार भा साँचा।।

(i) विश्वामित्र परशुराम के किस व्यवहार पर मन ही मन हँसे?

क) परशुराम राम लक्ष्मण को साधारण क्षत्रिय समझ रहे थे
ख) परशुराम के क्रोधित होने पर
ग) परशुराम के अनजान होने पर
घ) परशुराम की अज्ञानता पर

(ii) परशुराम के गुरु कौन थे?

क) विश्वामित्र
ख) श्रीकृष्ण
ग) शिवजी
घ) विष्णु

(iii) **गाधिसूनु कह हृदय हसि** यहाँ गाधिसूनु किसे कहा गया है?

क) मुनि देवर्षि को
ख) मुनि दधीचि को
ग) गाधि के पुत्र विश्वामित्र को
घ) मुनि परशुराम को

(iv) ऊखमय व अयमय खाँड से क्या तात्पर्य है?

क) गन्ने के रस से बनी खाँड | ख) लोहे से बनी खाँड (तलवार)
ग) इनमें से कोई नहीं | घ) गन्ने के रस से बनी खाँड और लोहे से बनी खाँड (तलवार)

(v) लक्ष्मण के अपराध को क्षमा करने के लिए विश्वामित्र ने क्या कहा?

क) सभी विकल्प सही हैं | ख) साधुजन बालकों के गुण-दोषों पर ध्यान नहीं देते
ग) साधु पुरुष अबोध मानकर क्षमा ही नहीं करते है | घ) साधु लोग सज्जन नहीं होते हैं

10. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** **[2]**

(i) **अट नहीं रही है** कविता अनुसार आकाश में पंख फैलाकर कौन उड़ जाना चाहता है? **[1]**

क) सभी विकल्प सही हैं | ख) बादल उड़ जाना चाहते हैं
ग) मयूर रूपी मन उड़ जाना चाहता है | घ) पक्षी उड़ जाना चाहते हैं

(ii) मंगलेश डबराल की कविता में 'आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ' - पंक्ति में 'राख जैसा' किसे कहा गया है ? **[1]**

क) मुख्य गायक के उत्साहहीन स्वर को | ख) संगतकार के उत्साहहीन स्वर को
ग) मिट्टी को | घ) श्रोता के विश्वास को

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** **[6]**

(i) बिस्मिल्ला ख़ाँ के व्यक्तित्व की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। **[2]**

(ii) लेखक की दृष्टि में **सभ्यता** और **संस्कृति** की सही समझ अब तक क्यों नहीं बन पाई है? **[2]**

(iii) **एक कहानी यह भी** के आधार पर स्वतंत्रता आंदोलन के आखिरी चरण के परिदृश्य का वर्णन कीजिए जिनमें कोई दो बिंदु अवश्य शामिल हों। **[2]**

(iv) बालगोबिन भगत पाठ में लेखक का क्या संदेश है? **[2]**

12. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** **[6]**

(i) गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवान (बड़भागी) कहने के पीछे क्या व्यंग्य निहित है? **[2]**

(ii) संगतकार कविता के आधार पर बताइए कि संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं? **[2]**

(iii) **भूलें अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊँ में**- यहाँ आत्मकथ्य के कवि की वाक्पटुता के दर्शन हो रहे हैं, कैसे? **[2]**

(iv) बच्चे की दंतुरित मुसकान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है? **[2]**

13. **पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-** **[8]**

(i) **मैं क्यों लिखता हूँ?** पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक को लिखने की प्रेरणा कहाँ से प्राप्त होती है। **[4]**

(ii) जितेन नार्गे की गाइड की भूमिका के बारे में विचार करते हुए लिखिए कि एक कुशल गाइड में क्या गुण होते हैं? **[4]**

(iii) "माता का आँचल" पाठ में वर्णित मूसन तिवारी कौन थे? उनके साथ बाल-मंडली ने शरारत क्यों की थी और उसका क्या परिणाम हुआ? इस घटना से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? **[4]**

14. **भारतीय किसान के कष्ट** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- अन्नदाता की कठिनाइयाँ
- कठोर दिनचर्या
- सुधार के उपाय

अथवा

पर्यटन का महत्त्व विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- पर्यटन का अर्थ
- पर्यटन की ज़रूरत
- हमारे व्यक्तित्व निर्माण में उसकी भूमिका
- देश-समाज को समझने के लिए पर्यटन की आवश्यकता

अथवा

आत्मनिर्भर भारत विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- आत्मनिर्भरता आवश्यक क्यों?

◦ अभियान का प्रभाव
◦ बाधाएँ और सुझाव

15. आपका नाम देवांश/देवांशी है। आप अपने घर के पास स्थित बैंक में बचत खाता खुलवाना चाहते हैं। अपेक्षित दस्तावेज़ों की जानकारी प्राप्त करने हेतु बैंक प्रबंधक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपका मित्र वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम आया है। उसे शुभकामनाएँ देते हुए बधाई-पत्र लिखिए।

16. हिन्दी टाइपिस्ट पद हेतु स्ववृत्त लेखन लिखिए। **[5]**

अथवा

अपने प्रधानाचार्य abcschool@gmail.com को इमेल लिखिए जिसमें अन्य विद्यालय से फ़ुटबॉल मैच खेलने की अनुमति माँगी गई हो।

17. मुख्य चुनाव आयुक्त की ओर से 50 शब्दों का एक विज्ञापन तैयार कीजिए जिसका विषय है **मतदान : प्रत्येक नागरिक का अधिकार और कर्त्तव्य**। **[4]**

अथवा

शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने हिन्दी शिक्षक के लिए एक भावपूर्ण संदेश लिखिए।

Solutions

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

शिक्षा किसी भी समाज की विकास प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है, इसलिए मानव समाज में इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। शिक्षा से तात्पर्य है- शक्ति को ग्रहण कर मनुष्य द्वारा सही अर्थ में अपनी क्षमताओं का उपयोग करना सीखना, अज्ञान के अंधकार से निकलकर ज्ञान के प्रकाश की ओर बढ़ना। शिक्षा द्वारा ही ज्ञान और अज्ञान के मध्य अंतर को समझकर मनुष्य सही दिशा की ओर बढ़ता है तथा सम्यक् ज्ञान के प्रकाश में जीवन का सर्वांगीण विकास कर पाता है, परंतु जब समुचित विकास का मार्ग अवरुद्ध होता प्रतीत होता है, तब ऐसा समझा जाना तर्कपूर्ण है कि प्रचलित शिक्षा प्रणाली दोषपूर्ण है।

ऐसी स्थिति में शिक्षा नीति में सुधार करना अनिवार्य हो जाता है। पाश्चात्य शिक्षा पद्धति का अनुकरण करने के कारण हम अपनी शिक्षा और संस्कृति को भूल रहे हैं और नैतिकता के पतन की ओर अग्रसर हैं। प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता यह मानी जाती है कि वह नीतियों से परिपूर्ण थी।

नीति अर्थात् सही दिशा-निर्देश, ये मनुष्य के ऊपर उठने का व आगे बढ़ने का सबसे बड़ा माध्यम होते हैं। शिक्षा मनुष्य का सम्यक् उत्थान करती है। नीति भी मूल रूप से शिष्ट आचरण का ही दिशा-निर्देश करती है। इस प्रकार शिक्षा और नीति का मुख्य उद्देश्य एक ही है।

(i) **(घ)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) **(ख)** अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर
व्याख्या: शिक्षा मनुष्य को अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाती है तथा सम्यक् ज्ञान के प्रकाश में जीवन का सर्वांगीण विकास कर पाती है।

(iii) **(क)** अनुकरण की आदत को
व्याख्या: पाश्चात्य शिक्षा पद्धति ने मनुष्य में अनुकरण की आदत को बढ़ावा दिया है, जिसके कारण वह अपनी शिक्षा पद्धति व संस्कृति को दिन-प्रतिदिन भूलते जा रहे हैं।

(iv) **(ग)** नीतियों से परिपूर्ण
व्याख्या: प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता यह मानी जाती है कि वह नीतियों से परिपूर्ण थी। नीति अर्थात् सही दिशा-निर्देश, ये मनुष्य के ऊपर उठने का व आगे बढ़ने के सबसे बड़े माध्यम होते हैं।

(v) **(ग)** कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
व्याख्या: कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

जैसे नदी में
सिर्फ पानी नहीं बहता
फूल-पत्ते, लकड़ी, नावें,

दीप और मुर्दे तक बहते हैं;
इसी तरह मन में
सिर्फ़ विचार नहीं रहते
सुगंध और प्रकाश
विश्वास और उदासी
सब रहते हैं एक साथ
वहाँ बहाव का आधार पानी है
यहाँ प्राण और वाणी है।
पानी कहीं थम न जाए
धारा सूखने न पाए
वाणी चूकने न पाए
तो सब ठिकाने लग जाते हैं फूल-पत्ते, लकड़ी
नावें, दीप और शरीर
सुगंध और प्रकाश
विश्वास और इच्छाएँ अधीर।
-- अज्ञेय

(i) **(क)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) **(ग)** अच्छे एवं सकारात्मक विचार
व्याख्या: मन के संदर्भ में सुगंध और प्रकाश से कवि का तात्पर्य अच्छे एवं सकारात्मक विचारों से है।

(iii) **(ख)** मन के विचार सही हो जाने का परिणाम सुखकारी होता है।
व्याख्या: मन के संदर्भ में 'ठिकाने लग जाना' का तात्पर्य है कि मन के विचार सही हो जाने का परिणाम सुखकारी होता है। वास्तव में, सकारात्मक मनोवृत्तियाँ ही हमारे कार्य को रचनात्मक बनाती हैं।

(iv) **(घ)** द्वंद्व समास
व्याख्या: जिस समस्त पद के दोनों पद प्रधान हों और दोनों पदों के बीच प्रायः योजक चिह्न (-) का प्रयोग हो वहाँ द्वंद्व समास होता है।

(v) **(घ)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** बाहर जो बेढब-सा बरतन था वह मिट्टी का था।
व्याख्या: बाहर जो बेढब-सा बरतन था वह मिट्टी का था।

(ii) **(ग)** जैसा बच्चे बना लेते हैं, विशेषण उपवाक्य
व्याख्या: जैसा बच्चे बना लेते हैं, विशेषण उपवाक्य

(iii) **(घ)** मिश्र वाक्य

व्याख्या: यह मिश्र वाक्य का उदाहरण है क्योंकि इसमें एक प्रधान और दूसरा आश्रित उपवाक्य है।

(iv) **(क)** मोहनदास, गोकुलदास सामान निकालते थे और बाहर रखते जाते थे।

व्याख्या: मोहनदास, गोकुलदास सामान निकालते थे और बाहर रखते जाते थे।

(v) **(ग)** मिश्र वाक्य

व्याख्या: मिश्र वाक्य

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** धर्मगुरु द्वारा कामिल बुल्के की बात मान ली गई।

व्याख्या: धर्मगुरु द्वारा कामिल बुल्के की बात मान ली गई

(ii) **(ग)** कर्मवाच्य

व्याख्या: कर्मवाच्य

(iii) **(क)** विकल्प (ii)

व्याख्या: माली द्वारा पौधों को पानी दिया गया।

(iv) **(क)** कर्मवाच्य

व्याख्या: कर्मवाच्य

(v) **(घ)** अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन

व्याख्या: अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन

5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, संबोधन कारक।

व्याख्या: संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, संबोधन कारक।

(ii) **(ख)** गुणवाचक विशेषण, मूलावस्था, एकवचन, लिंग, इसका विशेष्य ‘पुरुष’ है।

व्याख्या: गुणवाचक विशेषण, मूलावस्था, एकवचन, लिंग, इसका विशेष्य ‘पुरुष’ है।

(iii) **(ग)** निश्चयवाचक सर्वनाम. बहुवचन

व्याख्या: निश्चयवाचक सर्वनाम. बहुवचन

(iv) **(क)** स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया - देखना

व्याख्या: स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया - देखना

(v) **(ख)** विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, पुल्लिंग,'देश' विशेष्य।

व्याख्या: विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, पुल्लिंग,'देश' विशेष्य।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** मानवीकरण अलंकार

व्याख्या: मानवीकरण अलंकार

(ii) **(घ)** मानवीकरण अलंकार

व्याख्या: मानवीकरण अलंकार

(iii) **(ख)** श्लेष अलंकार
व्याख्या: श्लेष अलंकार

(iv) **(घ)** उत्प्रेक्षा
व्याख्या: उत्प्रेक्षा

(v) **(क)** अतिश्योक्ति अलंकार
व्याख्या: अतिश्योक्ति अलंकार

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
हालदार साहब को यह सब कुछ बड़ा विचित्र और कौतुक भरा लग रहा था। इन्हीं ख्यालों में खोए-खोए पान के पैसे चुकाकर, चश्मेवाले की देशभक्ति के समक्ष नतमस्तक होते हुए वह जीप की तरफ चले, फिर रुके, पीछे मुड़े और पानवाले के पास जाकर पूछा, क्या कैप्टन चश्मेवाला नेताजी का साथी है? या आज़ाद हिन्द फौज का भूतपूर्व सिपाही? पानवाला नया पान खा रहा था। पान पकड़े अपने हाथ को मुँह से डेढ़ इंच दूर रोककर उसने हालदार साहब को ध्यान से देखा, फिर अपनी लाल-काली बत्तीसी दिखाई और मुस्कराकर बोला-नहीं साब! वो लँगड़ा क्या जाएगा फौज़ में। पागल है पागल! वो देखो, वो आ रहा है। आप उसी से बात कर लो। फोटो-वोटो छपवा दो उसका कहीं।

(i) **(ग)** मूर्ति के बारे में पता चलने वाली नई-नई बातें
व्याख्या: मूर्ति के बारे में पता चलने वाली नई-नई बातें

(ii) **(घ)** तत्पुरुष समास
व्याख्या: तत्पुरुष समास

(iii) **(घ)** कैप्टन चश्मेवाले को
व्याख्या: कैप्टन चश्मेवाले को

(iv) **(ग)** वह कैप्टन के बारे में पूरी बातें जानना चाहते थे।
व्याख्या: वह कैप्टन के बारे में पूरी बातें जानना चाहते थे।

(v) **(घ)** वह हर समय पान खाता रहता था।
व्याख्या: वह हर समय पान खाता रहता था।

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(ख)** रसोई से
व्याख्या: लेखिका के पिता उसे रसोई-घर से दूर रखना चाहते थे क्योंकि उनके अनुसार रसोई में काम करने से मनुष्य की सारी बौद्धिक प्रतिभा नष्ट हो जाती है।

(ii) **(क)** नवाब साहब ने
व्याख्या: लखनवी अंदाज़ पाठ में वार्तालाप की शुरुआत नवाब साहब ने की थी।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा। बार बार मोहि लागि बोलावा।
सुनत लखन के बचन कठोरा। परसु सुधारि धरेउ कर घोरा।।

अब जनि देइ दोसु मोहि लोगू। कटुबादी बालकु बधजोगू।
बाल बिलोकि बहुत में बाँचा। अब येहु मरनिहार भा साँचा।।

(i) **(क)** परशुराम राम लक्ष्मण को साधारण क्षत्रिय समझ रहे थे
व्याख्या: परशुराम राम लक्ष्मण को साधारण क्षत्रिय समझ रहे थे

(ii) **(ग)** शिवजी
व्याख्या: शिवजी

(iii) **(ग)** गाधि के पुत्र विश्वामित्र को
व्याख्या: गाधि के पुत्र विश्वामित्र को

(iv) **(घ)** गन्ने के रस से बनी खाँड और लोहे से बनी खाँड (तलवार)
व्याख्या: गन्ने के रस से बनी खाँड और लोहे से बनी खाँड (तलवार)

(v) **(ख)** साधुजन बालकों के गुण-दोषों पर ध्यान नहीं देते
व्याख्या: साधुजन बालकों के गुण-दोषों पर ध्यान नहीं देते

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(ग)** मयूर रूपी मन उड़ जाना चाहता है
व्याख्या: फाल्गुन मास के अनुपम सौन्दर्य को देख कर कवि का मयूर रूपी मन उड़ जाना चाहता है।

(ii) **(क)** मुख्य गायक के उत्साहहीन स्वर को
व्याख्या: मुख्य गायक जब तारसप्तक में खो जाता है तब उसकी डूबती हुई आवाज़ उसे बुझी हुई आग की राख के समान लगती है।

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) बिस्मिल्ला खां के व्यक्तित्व की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं -
i. बिस्मिल्ला खां विनम्रता की पराकाष्ठा थे | सर्वश्रेष्ठ शहनाई वादक होने के बाद भी वे घंटों अनथक संगीत का रियाज़ करते थे |
ii. उनका स्वभाव निश्छल था | उनकी हँसी बच्चों के समान भोली और मासूम थी |

(ii) लेखक की दृष्टि में सभ्यता और संस्कृति शब्दो का प्रयोग अधिक होता है परन्तु समझ में कम आता है। इनके साथ अनेक तरह के भारी भरकम विशेषण लगा देने से इन्हे समझना और भी कठिन हो जाता है। लोग इनके संबंध में अपने विचार प्रस्तुत करते हैं लेकिन आम जनता की इन शब्दों अथवा इनके अर्थ के संबंध में अब तक एक स्पष्ट समझ नहीं बन पायी है। लोग अपने हिसाब से इन शब्दों अथवा अवधारणाओं को उपयोग करते हैं एवं अपनी सुविधा के अनुसार ही वे इनका अर्थ निकालते हैं। अतः इन दोनों शब्दों के संबंध में अर्थ की दृष्टि से एवं इनके उपयोग की दृष्टि से भी समाज एवं कहें तो लेखक वर्ग में भी अब तक सही समझ नहीं बन पाई है।

(iii)
- देश में चारों तरफ़ प्रभात-फेरियाँ, हड़तालें, जुलूस, भाषण, प्रदर्शन आदि का आयोजन होना

- आंदोलनकताओं की गिरफ़्तारियाँ होना
- आंदोलन में सबका बढ़चढ़ कर भाग लेना
- शैक्षणिक संस्थानों को बंद करवाया जाना

(कोई दो बिंदु अपेक्षित)

(iv) 'बालगोबिन भगत' पाठ के माध्यम से लेखक यह संदेश देना चाहता है कि व्यक्ति गृहस्थ जीवन जीते हुए भी साधु हो सकता है। साधु की पहचान उसके रामनामी या गेरुए वस्त्र से नहीं बल्कि उसके आचरण से होती है। हमेशा अपनी दिनचर्या में से थोड़ा सा समय अपने आराध्य देव के लिए निकालना चाहिए। व्यक्ति को बालगोबिन भगत की ही तरह सामाजिक कुप्रथाओं का डटकर मुकाबला करना चाहिए। दुख हो या सुख हमेशा ईश्वर की कृपा मानकर उसका सम्मान करना चाहिए। मोह माया में फँस कर व्यक्ति को लालची नहीं बनना चाहिए। जितना मिला है उसी में संतोष करने की आदत होनी चाहिए। व्यक्ति को अपने साथ-साथ दूसरों के सुख दुख का भी ध्यान रखना चाहिए और अपनी स्वार्थ की पूर्ति में लिप्त नहीं रहना चाहिए।

12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) गोपियाँ उद्धव को भाग्यवान कहते हुए व्यंग्य कसती है कि श्री कृष्ण के सानिध्य में रहते हुए भी वे श्री कृष्ण के प्रेम से सर्वथा मुक्त रहे। वे कैसे श्री कृष्ण के स्नेह व प्रेम के बंधन में अभी तक नहीं बंधे?, श्री कृष्ण के प्रति कैसे उनके हृदय में अनुराग उत्पन्न नहीं हुआ? अर्थात् श्री कृष्ण के साथ कोई व्यक्ति एक क्षण भी व्यतीत कर ले तो वह कृष्णमय हो जाता है। परन्तु ये उद्धव तो उनसे तनिक भी प्रभावित नहीं है प्रेम में डूबना तो अलग बात है।

(ii) संगतकार निम्नलिखित रूप में मुख्या गायक - गायिकाओं की मदद करता है :-

i. वह बिखरते स्वर को सहारा देकर एहसास दिलाता है की वह अकेला नहीं है।
ii. जब मुख्या गायक जटिल तानों में खो जाता है तब संगतकार स्थायी को संभाले रहता है।
iii. वह उसके सुर में सुर मिलाकर उसके आतम विश्वास को बचाता है।
iv. अपने स्वर को उंचा न उठा मुख्या गायक को सफल बनाता है।
v. कभी वादक के रूप में कभी स्वर लहरियों का संभालने में तो कभी मुख्य गायक के थके स्वर को विश्राम देने के लिए संगतकार मदद करता है।

(iii) अपनी भूलों को सबके सम्मुख प्रकट करना उचित रहेगा-यह कहकर कवि अपनी भूलों को सहज रूप में जानते हुए प्रतीत होता है, इस तरह वह बिना प्रयास के ही लोगों की दृष्टि में विनम्र बन गया है। उन प्रवंचकों की बात करना उचित रहेगा, जिनसे कवि ठगा गया है- यह कहकर उनकी प्रवृत्तियों को बिना कहे की उजागर कर देता है कि लोगों ने मुझे धोखा भी दिया है। इस तरह कवि ने वाक्-प्रतिभा का परिचय दिया है।

(iv) बच्चे की दंतुरित मुसकान का कवि के मन पर अत्यंत गहरा प्रभाव पड़ता है। कवि को बच्चे की मुसकान बहुत मनमोहक लगती है जो मृत शरीर में भी प्राण डाल देती है।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ में अज्ञेय जी अपनी आंतरिक विवशता को प्रकट करने के लिए लिखते हैं। वे तटस्थ होकर यह देखना चाहते हैं कि उनका मन क्या सोचता है। वे लिखकर मन की बैचेनी और उसकी छटपटाहट से मुक्ति पाने के लिए लिखते हैं। वे स्वयं को जानने और समझने व पहचानने के लिए लिखते हैं। वे यह भी मानते हैं कि कई बार कुछ लेखक आर्थिक कारणों से भी लिखते हैं या कुछ संपादक के दबाव और प्रसिद्धि की कामना के लिए भी लिखते हैं।

(ii) जितने नार्गे एक कुशल गाइड हैं-'साना-सान हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर बताइए। उत्तर जितेन नार्गे एक कुशल गाइड है। वैसे तो पर्यटक वाहनों में ड्राइवर अलग और गाइड अलग होते हैं, लेकिन जितेन ड्राइवर-कम-गाइड है। अत: हम कह सकते हैं कि एक कुशले गाइड को वाहन चलाने में भी कुशल होना चाहिए ताकि आवश्यकता पड़े तो वह ड्राइवर की भूमिका भी निभा सके।

एक कुशल गाइड को अपने क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति तथा विभिन्न स्थानों के महत्व तथा उनसे जुड़ी रोचक जानकारियों का ज्ञान भी होना चाहिए जितेन ने यूमतांग का मतलब बताया कि - घाटियां । उसने बताया कि सिक्किम के लोग बौद्ध धर्म को मानते हैं, जब किसी बौद्ध धर्म के अनुयाई की मृत्यु होती है तो उसकी आत्मा की शांति के लिए शहर से दूर किसी भी पवित्र स्थान पर 108 श्वेत पताकाएं लगा दी जाती हैं।जितेन को पता है कि देवानंद अभिनीत 'गाइड' फिल्म (यह अपने समय की अति लोकप्रिय फिल्म थी) की शूटिंग लोंग स्टॉक में हुई थी। इससे पर्यटकों का मनोरंजन भी होता है और उनकी स्थान में रुचि भी बढ़ जाती हैं। जितेन यद्यपि नेपाली हैं, लेकिन उसे सिक्किम के जन-जीवन, संस्कृति तथा धार्मिक मान्यताओं का पूरा ज्ञान हैं। उसने बताया कि जगह -जगह दलाई लामा की तस्वीरें भी लगी हुई है जो लोगों की आस्था व विश्वास का प्रतीक है । वहाँ की कठोर जीवन- स्थितियों से भी वह भली-भाँति परिचित हैं। उसने बताया की यहां के लोग मेहनती होते हैं इसलिए सिक्किम राज्य की राजधानी को मेहनतकश बादशाहो का जगमगाता शहर कहा जाता है। इससे उसके कुशल गाइड़ होने का पता चलता है।

जितेन का सबसे अच्छा गुण हैं-मानवीय संवेदनाओं की समझ तथा परिष्कृत संवाद शैली। वह सिक्किम की सुन्दरता का गुणगान ही नहीं करता, वहाँ के लोगों के दु:ख-दर्द के बारे में लेखिका से बातचीत करता है। सिक्किम की औरतों व बच्चों के जीवन पर भी प्रकाश डालता है। उसकी भाषा बड़ी परिष्कृत और संवाद का ढंग अपनत्व से पूर्ण है, जो किसी गाइड को आवश्यक गुण है। इसके अतिरिक्त एक कुशल गाइड को उत्साही, धैर्यवान तथा जिज्ञासु होना चाहिए।

(iii) 'माता का आँचल' पाठ में मूसन तिवारी गांव के वृद्ध व्यक्ति थे और उन्हें आँखों से कम दिखाई देता था। एक बार जब भोलानाथ और उनके साथी बाग से लौट रहे थे तब उनके ढीठ दोस्त बैजू के बहकावे में सब बच्चों ने मिलकर मूसन तिवारी को चिढ़ाया था। मूसन तिवारी के खदेड़ने पर सब बच्चे भाग गए। तिवारी जी सीधे पाठशाला गए और वहाँ से बैजू और भोलानाथ को पकड़कर बुलवाया। बैजू तो भाग गया लेकिन भोलानाथ की गुरु जी ने खूब खबर ली। इस घटना से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें वयोवृद्ध लोगों का आदर-सम्मान करना चाहिए।

14. गाँधीजी ने कहा था- 'भारत का हृदय गाँवों में बसता है। गाँवों में ही सेवा और परिश्रम के अवतार किसान बसते हैं। ये किसान ही नगरवासियों के अन्नदाता हैं, सृष्टि-पालक हैं।' निरक्षरता भारतीय कृषक की पतनावस्था का मूल कारण है। शिक्षा के अभाव के कारण वह अनेक कुरीतियों से घिरा है। अंधविश्वास और रूढ़ियाँ उसके जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। आज भी वह शोषण का

शिकार है। वह धरती की छाती को फाड़कर, हल चलाकर अन्न उपजाता है किन्तु उसके परिश्रम का फल व्यापारी लूट ले जाता है। उसकी मेहनत दूसरों को सुख-समृद्धि प्रदान करती है। भारत में कृषि और किसानों की हालत दिनों-दिन बदतर होती जा रही है, जिसके कारण अनेक किसान आत्महत्या तक करने पर मजबूर हो जाते हैं। भारत का किसान बड़ा ही परिश्रमी है। वह गर्मी-सर्दी तथा वर्षा की परवाह किए बिना अपने कार्य में जुटा रहता है। जेठ की दुपहरी, वर्षा ऋतु की उमड़ती-घुमड़ती काली मेघ-मालाएँ तथा शीत ऋतु की हाड़ कँपा देने वाली वायु उसे कर्त्तव्य से रोक नहीं पाती। भारतीय किसान का जीवन कड़ा तथा कष्टपूर्ण है। दिन-रात कठिन परिश्रम करने के बाद वह जीवन की आवश्यकताएँ नहीं जुटा पाता, न उसे पेट-भर भोजन मिलता है और न शरीर ढँकने के लिए पर्याप्त वस्त्र। अभाव और विवशता के बीच ही वह जन्मता है तथा इसी दशा में मृत्यु को प्राप्त हो जाता है। भारत में बहुत से ऐसे लघु उद्योग हैं जो किसान आसानी से अपने घर से कर सकते हैं। इसके लिए सरकार को जागरूक होना चाहिए। कभी खराब बीजों की वजह से तथा फसलों की कम कीमत और खराब मौसम की दोहरी मार से किसानों की बुरी दुर्दशा हो जाती है। किसानों की दुर्दशा को ध्यान में रखते हुए सरकार को किसानों का कर्ज माफ कर देना चाहिए तथा किसानों के लिए सरकार को लघु उद्योग लगाने की व्यवस्था करनी चाहिए।

अथवा

पर्यटन एक ऐसी यात्रा को कहते है जो मनोरंजन या फुरसत के समय का आनंद उठाने के लिए की जाती है। पर्यटन से व्यक्ति को जीवन में एक नई उमंग और उत्साह भर जाता है। जब हम किसी स्थान पर पर्यटन के लिए घूमने के लिए जाते है तो हमें वहाँ की संस्कृति और लोक जीवन के बारे में जानने को मिलता है। हमें इस चीज का एहसास होता है की इस दुनिया में कितनी विवधता है, हमारे और इनके लोक जीवन और संस्कृति में कितना अंतर है। इस से हमारे दिमाग का दायरा बढ़ता है और सोचने समझने की एक गहरी समझ विकसित होती है। पर्यटन से हमें हमारी दैनिक जीवन की परेशानियाँ को भूलकर एक रचनात्मक प्रवृति जागृत होती है, जिस से जीवन में अनेक रास्ते खुल जाते है। अगर हम भारत में प्रमुख पर्यटक स्थलों की बात करे तो ऐसे बहुत से स्थल है जहाँ आप अपनी रुचि और सुविधानुसार जा सकते है। भारत के प्रत्येक राज्य में धार्मिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक महत्व के पर्यटक स्थल मिल जाएँगे जो भारत की विशाल और धनी प्राचीन विरासत को दर्शाते है। जम्मू कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में जहाँ पहाड़ी राज्यों का अपना अलग पर्यटक महत्व हैं, वहीं दूसरी ओर राजस्थान अपने थार के मरुस्थल और सम के धोरों के लिए प्रसिद्ध है। उत्तर प्रदेश अपने धार्मिक पर्यटन स्थलों के लिए जाना जाता है। गोवा अपने समुंद्री पर्यटन के लिए विख्यात है। भारत में कई ऐसे एतिहासिक पर्यटक स्थल है, जो हमें हमारे गौरवशाली इतिहास को संजोये हुए है, उनमें अनेक दुर्ग, स्मारक और छतरियाँ शामिल है। भारत विश्व का एक प्रमुख पर्यटक केंद्र है। वर्तमान सरकार भारत में पर्यटन के महत्व को समझते हुए अनेक नए कॉरिडोर निर्माण कर रही है। पर्यटन से हमारे रोजगार और अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिल रहा है। इस प्रकार पर्यटन का जीवन में बहुत महत्व है।

अथवा

आत्मनिर्भर भारत

आत्मनिर्भर का अर्थ होता है कि कोई भी व्यक्ति किसी दूसरे पर निर्भर नहीं होकर खुद पर निर्भर होना है। आत्मनिर्भर होना खुद के लिए, अपने गाँव, शहर, जिले में देश के लिए बहुत जरूरी है यदि हमारा शहर या देश आत्मनिर्भर रहेगा तो हमें किसी दूसरे देश पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा।

आत्मनिर्भर होने से पैसों की बचत होती है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। कोई भी व्यक्ति यदि किसी दूसरे पर निर्भर है तो उसे हर काम या अपनी आवश्यकता के लिए दूसरे पर निर्भर रहना पड़ेगा। किसी भी व्यक्ति को खुद पर निर्भर रहना चाहिए ना कि दूसरों पर। भारत की सभी बातें व्यक्ति को छोड़कर राज्य और देश पर भी लागू होती हैं। यदि देश के पास पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं है तो उसे किसी दूसरे देश से संसाधन की कमी को पूरा करना पड़ेगा। यदि संसाधन को बनाने की सारी सामग्री उसके पास उपलब्ध है तो उसका प्रयोग कर उसका निर्माण स्वयं कर सकता है। भारत एक ऐसा देश है जहाँ हर संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है पर हम कई सारी ऐसी चीजों को लेते हैं जो किसी दूसरे देशों से बनी होती हैं इससे हमें तो नुकसान होता ही है साथ में देश को बहुत बड़ा नुकसान भुगतना पड़ता है। दूसरे देशों से बनी वस्तुएँ खरीदने पर हम दूसरे देश को पैसे देते हैं। अगर यही वस्तु हमारे देश में बनी हो तो देश की अर्थ व्यवस्था मजबूत होगी और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यदि संसाधनों का सही उपयोग करके देश में ही वस्तु बनाई जाए तो इससे देश को भी काफी फायदा होगा और देश के हर युवा को रोजगार मिलेगा। देश में अधिक उद्योग लगेंगे तो देश में बेरोजगारी कम होगी। देश में फैली गरीबी भी समाप्त होगी और साथ-साथ देश की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। ऐसे में हमें किसी दूसरे देश पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। अधिक सामग्री बनाने से हम अपने देश की सामग्री को दूसरे देशों को भी निर्यात कर सकते हैं। इससे हमारे देश के आयात में कमी होगी और निर्यात में बढ़ोतरी होगी। आत्मनिर्भर भारत को लेकर अब सरकार भी बहुत अच्छे-अच्छे कदम उठा रही है तो हमें भी इसमें सरकार का सहयोग करना चाहिए और देश को आत्मनिर्भर बनाने में सरकार की मदद करनी चाहिए।

15. सेवा में,
प्रबंधक
जनसेवा सहकारी बैंक
मुंबई
दिनांक: 5 अक्टूबर, 2023
विषय - बचत खाता खुलवाने के लिए अपेक्षित दस्तावेज़ों की जानकारी हेतु पत्र
महोदय,
निवेदन है कि मेरा नाम देवांशी है। मैं आपके बैंक के पास रहती हूँ। मैं आपके बैंक में बचत खाता खुलवाना चाहती हूँ। कृपया मुझे इसके लिए अपेक्षित दस्तावेज़ों की जानकारी दें। आपसे निवेदन है कि मुझे खाता खोलने की प्रक्रिया, आवश्यक कागजात, और प्रमाणिकता सत्यापन के विवरण प्रदान करें। इसकी जानकारी अपने किसी बैंक सहकर्मी से दिलवाने की कृपा करें जिससे मैं आपके बैंक में बचत खाता खुलवा सकूँ। मैं आपकी आभारी रहूँगी। आपकी अति कृपा होगी।
सधन्यवाद
भवदीय
देवांशी

अथवा

275/बी-5,
शांति निकेतन, दिल्ली।
02 मार्च, 2019

प्रिय मित्र गोविन्द,
मधुर स्मृतियाँ।
आशा है कि तुम प्रसन्न होगे। तुम्हारा पत्र मिला। पत्र में यह पढ़कर बड़ी प्रसन्नता हुई कि तुमने अंतर विद्यालयी वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस अवसर पर मैं तुम्हें अपनी शुभकामनाएँ एवं बधाई दे रहा हूँ।
मित्र, मैंने देखा है कि तुम बचपन से ही अपनी बात को अत्यंत दृढ़ता से कहते थे। तुम्हारी बातों में तार्किकता और सत्यता होती थी, जिसे तुम अत्यंत आत्मविश्वास से कहते थे। तुमने ज़रूर आत्मविश्वास से लबरेज हो अपनी बातें सामने रखी होंगी कि अन्य प्रतिभागी तुम्हारा मुँह देखते रह गए होंगे। याद करो, मैं कहा करता था कि तुम्हारी यह वाकू पटुता तुम्हें सफलता दिलाने में सहायक होगी। वह बात सही निकली। मेरी कामना है कि तुम सफलता की नित नई ऊँचाइयों को छुओ। इस सफलता के लिए एक बार पुनः हार्दिक शुभकामनाएँ।
अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम एवं शैली को स्नेह कहना। शेष सब ठीक है। पत्रोत्तर शीघ्र देना।
पत्रोत्तर की आशा में,
तुम्हारा अभिन्न मित्र,
गौतम सिंह

16. सेवा में,
मैनेजर
हिन्दी विभाग
इंदिरा गाँधी कम्प्यूटर साक्षरता मिशन
महोदय,
विषय - हिन्दी टाइपिस्ट पद हेतु स्ववृत्त
मुझे यह ज्ञात हुआ है कि आपके विभाग में 'कम्प्यूटर ऑपरेटर' का पद रिक्त है। इस सन्दर्भ में विचारार्थ मेरा स्ववृत्त प्रस्तुत है।
बचपन से ही कम्प्यूटर में मेरी गहरी रुचि रही है।

<u>**स्ववृत्त**</u>

शैक्षणिक योग्यताएँ-

कावेरी इण्टर कॉलेज साधनगर	हाईस्कूल	द्वितीय श्रेणी (51%)	2002
कावेरी इण्टर कॉलेज साधनगर इण्टरमीडिएट	इण्टरमीडिएट	प्रथम श्रेणी (63%)	2004
भारती विश्वविद्यालय	बी.ए. : हिन्दी, भूगोल व प्राचीन इतिहास में	प्रथम श्रेणी (66%)	2007
जागृति कम्प्यूटर संस्थान	'O' लेबल कम्प्यूटर में	प्रथम श्रेणी	2009

रूचि:
- कम्प्यूटर की बारीकी को समझना।
- कहानी पढ़ना।

आरव शर्मा
92, विजय एन्क्लेव
रानी बाग, रमेश नगर
नई दिल्ली, 110076
मो. 936200XXXX
ईमेल: aarsharma339@gmail.com

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: abcschool@gmail.com
CC ...
BCC ...
विषय - फुटबॉल मैच खेलने की अनुमति के संबंध में
महोदय,
सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की फुटबॉल टीम का कप्तान हूँ। हम अपने अभ्यास के लिए दिल्ली शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल की फुटबॉल टीम से मैच खेलना चाहते हैं। हर वर्ष हमारा इसी स्कूल की टीम से ही फाइनल में मुकाबला होता है। हमारी टीम प्रतियोगिता के लिए तैयार है।
अतः मेरा आपसे आग्रह है कि आप मुझे आज्ञा देने की महान कृपा करें और साथ ही दिल्ली शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल के प्राचार्य को भी मैच देखने के लिए आमंत्रित करें।
पवन

मतदान : प्रत्येक नागरिक का अधिकार और कर्त्तव्य

भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से सर्वसाधारण से अपील किया जाता है कि आप सभी अपने मत के अधिकार का प्रयोग जरूर करें।
हम सभी एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं जहाँ यह हमारा अधिकार बनता है कि हम अपने अनुसार किसी भी सरकार को समर्थन दे अथवा उन्हें चुने। इसके लिए हमें मतदान जरूर करना चाहिए।

"छोड़ो अपने सारे काम पहले चलो करें मतदान"

17. **चुनाव आयुक्त दिल्ली**

अथवा

शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

5 सितम्बर, 2021
प्रात: 11:00 बजे
परमश्रद्धेय गुरुवर,

ज्ञान ज्योति प्रज्ज्वलित करके दूर किया अज्ञान का अंधकार,
जीवन पथ पर राह दिखाई, दिए मनुष्यता के संस्कार।
आत्मबल, उत्साह बढ़ाकर सद्कर्मों का दिया है ज्ञान,
शत-शत वंदन करते गुरुवर, हर पल करते आपका गुणगान।।

आपने अपने असीमित ज्ञान से हमारा जीवन पथ आलोकित कर कर्त्तव्यनिष्ठ बनने की प्रेरणा दी। आपका कोटिशः धन्यवाद। हम शिक्षार्थी सदैव आपके स्नेह एवं मार्गदर्शन के लिए आपके ऋणी रहेंगे।

आपका शिष्य परम